Resource: मुख्य शब्द (Biblica)

Biblica Study Notes (Key Terms) © 2023 Biblica Inc. Released under CC BY-SA 4.0 license. Biblica Study Notes has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文)from Biblica Study Notes © 2023 Biblica Inc. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual.

मुख्य शब्द (Biblica)

र

रखेल

पुराने नियम के समय और स्थानों में कई पुरुषों की एक से अधिक पत्नियाँ होती थीं। पुरुष की मुख्य पत्नी को घर की महिलाओं में सबसे अधिक अधिकार प्राप्त होता था। रखेल कहलाने वाली पत्नियों के अधिकार कम होते थे। अक्सर महिला दासियों या नौकरानियों को रखेल बनने के लिए मजबूर किया जाता था।

रब्बी

एक पुरुष यहूदी शिक्षक। रब्बी आमतौर पर शिक्षालयों में पुराने नियम और अन्य यहूदी लेखन का अध्ययन करते थे। उन्हें आमतौर पर अन्य रब्बियों द्वारा प्रशिक्षित किया जाता था। जो लोग उनसे सीखना और उनके जैसा बनना चाहते थे वे उनके शिष्य बन जाते थे। आमतौर पर केवल लड़के और पुरुष ही शिष्य या विद्यार्थी होते थे। यीशु एक रब्बी थे, भले ही उन्हें अपने समय के रब्बियों की तरह प्रशिक्षित नहीं किया गया था। उन्होंने अपने छात्रों के रूप में महिलाओं और पुरुषों दोनों का स्वागत किया।

रहूबियाम

सुलैमान और एक अम्मोनी महिला जिसका नाम नामाह का पुत्र था। जब रहूबियाम राजा था, तब इस्राएल राष्ट्र दो राज्यों में विभाजित हो गया। रहूबियाम ने दक्षिणी राज्य यहूदा पर शासन किया। वह एक मूर्ख शासक था जिसने बुरे काम किए और झूठे देवताओं की उपासना की। उसके पास सुलैमान जैसी संपत्ति या शक्ति नहीं थी।

राजा

कुछ लोगों के समूहों में सबसे अधिक अधिकार वाला शासक। इस्राएलियों का राजा परमेश्वर होना था।इस्राएल में मानव राजाओं से अपेक्षा की गई थी कि वे लोगों का उसी प्रकार नेतृत्व करें जिस प्रकार परमेश्वर ने उनका नेतृत्व किया था। यह अन्य लोगों के समूहों के राजाओं के नेतृत्व करने के तरीके से बहुत अलग था। इस्राएली राजाओं को परमेश्वर के कानूनों का अध्ययन करना और उनका पालन करना था। उन्हें लोगों को परमेश्वर की वाचा के प्रति वफादार बनाए रखने में मदद करनी थी। इस्राएली राजाओं को कमजोर और जरूरतमंद लोगों की रक्षा करनी थी।उन्हें कई पत्नियाँ नहीं रखनी चाहिए या बहुत अमीर नहीं बनना चाहिए। उन्हें विनम्र होना था. उन्हें अपने लोगों के साथ गुलामों जैसा व्यवहार नहीं करना चाहिए। उन्हें युद्ध जीतने के लिए हथियारों और घोड़ों पर भरोसा नहीं करना चाहिए। इस्राएली राजाओं को परमेश्वर पर भरोसा करना और केवल उसकी सेवा करनी थी।

राहाब

कनान के यरीहो शहर की एक महिला। वह एक वेश्या के रूप में काम करती थी। उसने यहोशू के भेजे हुए जासूसों को छिपाकर रखा और उन्हें सुरक्षित रखा। जब इस्राएलियों ने यरीहों को नष्ट कर दिया, तो उन्होंने राहाब और उसके परिवार को बचाया। वह परमेश्वर के लोगों का हिस्सा बन गई। दाऊद और यीशु उसके परिवार से थे।

राहेल

लाबान की दूसरी बेटी और याकूब की दूसरी पत्नी। लिआ उसकी बहन थी और बिल्हा उसकी दासी थी। वह एक गड़ेरिया थी। याकूब लिआ से जितना प्रेम करता था, उससे कहीं अधिक उससे प्रेम करता था। वह यूसुफ और बिन्यामीन की माँ बनी।

रिबका

मेसोपोटामिया के बतूएल की बेटी और लाबान की बहन। उसने इसहाक से विवाह किया और याकूब और एसाव की माँ बनी।

रूत

मोआब की एक महिला और नाओमी की बहू। जब उसके पति की मृत्यु हो गई, तो वह मोआब छोड़कर नाओमी के साथ

इस्राएल चली गई। उसने बोअज नामक एक इस्राएली से विवाह किया और दाऊद की परदादी बन गई।

रूबेन

याकूब और लिआ का सबसे बड़ा पुत्र। इब्रानी भाषा में रूबेन नाम का मतलब दिख एक बेटा है। ऐसा लगता है जैसे यह शब्द इस बात के लिए है कि उसने मेरी पीड़ा देखी है। रूबेन ने अपने पिता की उपपत्नी बिल्हा के साथ यौन सम्बन्ध किया। इस वजह से, उसे याकूब का सबसे बड़ा बेटा होने का अधिकार नहीं था। उनकी वंशावली इस्राएल की एक जनजाति बन गई।

रोम

भूमध्य सागर के आसपास के क्षेत्र में एक राज्य जो सैकड़ों वर्षों तक चला। राजधानी को रोम भी कहा जाता था। यह एक शक्तिशाली साम्राज्य बन गई जिसने कई अन्य देशों और लोगों के समूहों पर शासन किया। नए नियम के समय में इसने इस्राएल पर शासन किया। कई वर्षों तक इसका नेतृत्व शक्तिशाली सम्राटों ने किया। रोमी सरकार ने यीशु के कई अनुयायियों के साथ बुरा व्यवहार किया।

रोमी नागरिक

रोम का नागरिक होने के नाते लोगों को कुछ अधिकार मिलते थे। इसने उन्हें कुछ तरीकों से बुरा व्यवहार होने से बचाया। रोमी शासकों को नागरिकों के संबंध में रोमी कानूनों का पालन करना पड़ता था। रोमी सरकार द्वारा नियंत्रित भूमि के अधिकांश लोग रोमी नागरिक नहीं थे। रोमी नागरिक होना विशेष था।